मुंबई, मंगलवार
21 जुलाई 2026
आषाढ़ शुक्ल 8
5 राज्य | 3 भाषाएं | 36 संस्करण
पृष्ठ : 16 । मूल्य : ₹ 5.00

सदैव अपने पाठकों के साथ
नवभारत
1934 से
navbharatlive.com

चंदा चोरी : सुको सख्त, नई SIT बनाएं
राजनीति नहीं, निष्पक्ष जांच हो

अंदर के पृष्ठ पर

संसद पहुंची छात्र क्रांति

अश्रु गैस छोड़ी, लाठी चार्ज, कई जख्मी

कॉकरोचों का ऐतिहासिक मार्च

1 नड्डा से मुलाकात के दौरान सीजेपी ने 3 मांगें प्रमुख रूप से रखीं, जिसमें पहली सोनम वांगचुक की रिहाई की है.

2 परीक्षा में हुई इस बड़ी धांधली को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग.

3 जान गंवाने वाले 20 से ज्यादा नीट अभ्यर्थियों के परिवारों को 1-1 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए.

■ संतोष ठाकुर, नवीन गौतम @ नवभारत.

दिल्ली. दुनिया में हुई तमाम छात्र क्रांतियों ने देश के तख्तापलट तक करवा दिए. भारत में भी 1975 के जेपी आंदोलन के बाद सोमवार को राजधानी दिल्ली में उस वक्त वही आक्रोश देखने को मिला, जब कॉकरोच जनता पार्टी के 'संसद मार्च' ने जंतर-मंतर से संसद भवन के लिए कूच किया. विपक्षी दलों से लेकर नेता, अभिनेता, साहित्यकार और हजारों की संख्या में शामिल छात्रों की एक ही मांग थी, 'भ्रष्ट व्यवस्था खत्म हो, जिम्मेदार कुर्सी छोड़ें.' इस दौरान पुलिसिया लाठी की फिक्र किए बगैर आक्रोश का सैलाब आगे भी बढ़ा और सरकार का दमनकारी रवैया भी देखने को मिला. संसद मार्ग पर आगे बढ़ते प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने न सिर्फ अश्रु गैस के गोले बरसाए बल्कि बेहिसाब लाठीचार्ज और वाटरकैनन का बगैर रुके प्रयोग भी किया. पुलिस के इस एक्शन में दर्जनों प्रदर्शनकारी लहूलुहान होकर भी आगे बढ़ते रहे. आखिरकार पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को संसद से 200 मीटर दूरी पर हिरासत में लेकर लारियों में भरना शुरू कर दिया. बावजूद छात्रों की बुलंद आवाज को पुलिस नहीं रोक पाई और सदन के हॉल तक नारों की गूंज सुनाई दी.

प्रधान के इस्तीफे पर विचार

छात्रों के आक्रोश को देखते हुए सरकार ने सीजेपी को बातचीत का प्रस्ताव दिया और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने डेप्युटी पुलिस कमिश्नर ऑफिस में सीजेपी के सौरभ दास और आशुतोष रांका से मुलाकात की. वार्ता के बाद नड्डा और दास दोनों ने जानकारी दी कि सरकार शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे समेत सभी मांगों पर विचार करेगी.

पुलिसिया हथकंडे फेल
रखी थी टूटी गाड़ी और पत्थर से भरा ट्रक

- छात्रों के संसद मार्च को विफल करने के लिए दिल्ली पुलिस ने हर स्तर पर तैयारी कर रखी थी. इंटरनेट जाम करने से लेकर प्रदर्शन स्थल पर क्षतिग्रस्त वाहन और पत्थरों से भरा ट्रक भी पहुंचाया गया.
- जंतर-मंतर, पार्लियामेंट स्ट्रीट, सेंट्रल विस्टा, कनॉट प्लेस और शंकर चौक जैसे स्थानों पर थ्री-टियर सुरक्षा ग्रिड बनाया गया. इसमें दिल्ली पुलिस के जवानों की दो परतें और पैरामिलिट्री फोर्स की एक परत शामिल थी.
- तमाम सख्ती के बाद जब छात्रों का संसद मार्च नहीं रुका तो पुलिस ने लाठीचार्ज करते हुए मुख्य प्रदर्शन स्थल जंतर-मंतर, कनॉट प्लेस, नेशनल मीडिया सेंटर, रायसीना रोड, ली मेरिडियन होटल गोलचक्कर और पालिका बाजार समेत आसपास के अन्य मेट्रो स्टेशनों से प्रदर्शनकारियों को खदेड़कर पूरी तरह खाली करवा दिया.

118 पुलिसकर्मी घायल

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सीजेपी प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प में 118 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए, जबकि करीब 60 प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की सूचना है. इसके अलावा, कॉजपा के 'चलो संसद' मार्च के दौरान 15-20 सरकारी गाड़ियों और अन्य सार्वजनिक संपत्ति में तोड़-फोड़ की गई. पुलिस के मुताबिक, करीब 70 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है और प्राथमिकी दर्ज की जा रही है.

वांगचुक नहीं तोड़ेंगे अनशन

पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कहा कि वह तब तक भूख हड़ताल खत्म नहीं करेंगे, जब तक प्रदर्शनकारी छात्र नेताओं को संसद भवन जाकर सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाती या फिर उन्हें अस्पताल में छात्रों से मिलने की इजाजत नहीं मिलती.

दिल्ली HC में आज सुनवाई

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोनम वांगचुक की हेल्थ रिपोर्ट मंगाई है. कोर्ट सोनम की पत्नी गीतांजलि अंगमो की याचिका पर सुनवाई कर रहा था. अगली सुनवाई मंगलवार 21 जुलाई को होगी.

दिपके का अनशन खत्म

इधर, सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दिपके और अन्य तीन छात्रों ने सरकार से चर्चा के बाद अपना अनशन खत्म कर दिया. गीतांजलि जे अंगमो ने दिपके को पानी पिलाकर अनशन खत्म कराया. वहीं अभिनेत्री शबाना आजमी, अभिनेता प्रकाश राज, राजद सांसद मनोज झा और योगेंद्र यादव ने जंतर-मंतर पर अनशन कर रहे ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन के छात्रों को पानी पिलाकर उनका अनशन खत्म कराया.

डिंपल यादव गिरफ्तार

प्रदर्शन के बीच सपा सांसदों ने छात्रों के समर्थन में डिंपल यादव की अगुवाई में मार्च किया. डिंपल के साथ प्रिया सरोज, इकरा हसन और सपा के अन्य सांसद तख्तियां लेकर जंतर-मंतर के लिए निकले. नीट है या चीट है जैसे नारे लगाए. डिंपल ने कहा कि देश का युवा, देश का छात्र सरकार से बहुत परेशान है. सभी के अधिकार इस सरकार ने छीन लिए हैं. चाहे शिक्षा का अधिकार हो या शुचितापूर्ण परीक्षा का, इस सरकार ने कुछ भी नहीं छोड़ा है. मोर्चे के संसद के करीब पहुंचते ही डिंपल समेत सभी सपा सांसदों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया.

मुंबई में 23 से 6 अगस्त तक धारा 144 लागू
महाराष्ट्र भर में भड़के Gen-Z
मुंबई में पुलिस का लाठीचार्ज

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. नीट पेपर लीक और सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को जबरदस्ती जंतर मंतर से उठाए जाने के खिलाफ सीजेपी के जेन-जी कार्यकर्ताओं ने सोमवार को महाराष्ट्र के कई जिलों में प्रदर्शन किया. मुंबई, नागपुर व पुणे समेत कई जिलों में युवाओं का जमावड़ा देखने को मिला. दादर स्थित चैत्यभूमि पर काफी संख्या में कार्यकर्ता आंदोलन के लिए पहुंचे. बाद में मुंबई पुलिस ने प्रमुख कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया. इस दौरान कार्यकर्ता व पुलिस में झड़प भी हुई, जिसमें कुछ घायल हो गए. पुलिस का कहना है कि सीजेपी ने आंदोलन से पहले प्रशासन से अनुमति नहीं ली थी. सीजेपी के युवा कार्यकर्ता वांगचुक को नजरबंद किए जाने का भी विरोध कर रहे हैं.

मुंबई में 5 से ज्यादा लोगों के एकत्र होने पर पाबंदी : मुंबई पुलिस ने 23 जुलाई से 6 अगस्त तक प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किया है. बिना किसी जरूरी आयोजन के 5 या इससे अधिक लोगों के एक जगह एकत्र होने पर रोक रहेगी.

नागपुर, पुणे में प्रदर्शन

नागपुर में भी सैकड़ों छात्र, युवा और सीनियर सिटिजन्स ने वांगचुक और दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रोटेस्ट के सपोर्ट में प्रदर्शन किया. उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी की. पुणे में सीजेपी के कार्यकर्ताओं ने स्टेशन के नजदीक स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के निकट प्रदर्शन किया. इसके अलावा पुणे में फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) के छात्रों ने भी प्रधान के इस्तीफे व एनटीए सिस्टम को खत्म करने की मांग को लेकर प्रोटेस्ट किया.

हिंगोली में तीखा विरोध प्रदर्शन

देश में चर्चित नीट पेपर लीक मामले के विरोध में हिंगोली जिले में सोमवार को तीखा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला. गोरेगांव में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के प्रतीकात्मक पुतले का दहन करने पहुंचे क्रांतिकारी शेतकरी संगठन के पदाधिकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई. इस दौरान पुलिस पुतला लेकर आगे बढ़ती नजर आई, जबकि कार्यकर्ता उसके पीछे दौड़ते रहे. प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. सोनम वांगचुक के आंदोलन को भी हिंगोली जिले से समर्थन मिल रहा है. वसमत और कलमनुरी में प्रशासन को ज्ञापन सौंपे गए. सोमवार सुबह क्रांतिकारी शेतकरी संगठन के कार्यकर्ताओं ने गोरेगांव में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के प्रतीकात्मक पुतले को जूते मारो आंदोलन किया.

NEWS विडो

सिक्किम की सुरंग में फंसे 27 मजदूर

गंगटोक. सिक्किम के नामची में सोमवार को निर्माणाधीन सड़क सुरंग के बाहर भूस्खलन होने से उसका प्रवेश द्वार बंद हो गया. सुरंग के अंदर काम कर रहे कम से कम 27 मजदूर फंस गए. पुलिस के मुताबिक, सुरंग के भीतर गैस रिसाव की भी आशंका है, जिससे बचाव अभियान मुश्किल हो गया है. यह घटना समरदुंग सुरंग में हुई. एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस व अन्य टीमों का रेस्क्यू ऑपरेशन देर रात तक जारी रहा.

अनुसंधान | जापान की टाकेडा करेगी निर्माण, दुनिया को होगा लाभ

डेंगू के टीके को सरकार की मंजूरी

■ दिल्ली, एजेंसियां. हर साल मानसून के साथ डेंगू का खतरा भी तेजी से बढ़ जाता है. देशभर में लाखों लोग इस मच्छरजनित बीमारी की चपेट में आते हैं और कई मामलों में यह जानलेवा भी साबित होती है. ऐसे में डेंगू से बचाव को लेकर एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है. भारत के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने जापानी फार्मास्युटिकल कंपनी टाकेडा द्वारा विकसित डेंगू वैक्सीन क्यूडेंगा को मंजूरी दे दी है. इसके बाद भारत में इस वैक्सीन के उपलब्ध होने का रास्ता साफ हो गया है. यह एक टेट्रावैलेंट लाइव एटेन्यूएटेड डेंगू वैक्सीन है. यह वैक्सीन डेंगू वायरस के चारों सीरोटाइप के खिलाफ सुरक्षा देने के लिए तैयार की गई है. इसका उद्देश्य डेंगू संक्रमण और गंभीर डेंगू के खतरे को कम करना है.

भारत में क्यों है इसकी जरूरत?

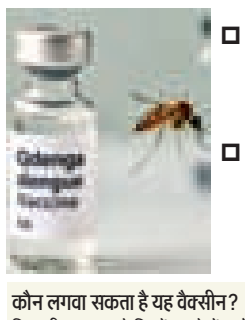

- भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां हर साल डेंगू के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए जाते हैं. कंपनी के अनुसार, पिछले दो दशकों में भारत में डेंगू के मामलों में करीब 11 गुना वृद्धि दर्ज की गई है.
- मानसून के दौरान मच्छरों की संख्या बढ़ने के साथ संक्रमण का खतरा भी तेजी से बढ़ जाता है, जिससे अस्पतालों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है. टाकेडा ने वर्ष 2024 में भारतीय वैक्सीन निर्माता बायोलॉजिकल ई के साथ साझेदारी की थी.

कौन लगवा सकता है यह वैक्सीन? : कंपनी के मुताबिक, क्यूडेंगा वैक्सीन उन लोगों के लिए भी उपयुक्त है जिन्हें पहले डेंगू हो चुका है और उन लोगों के लिए भी जिन्हें कभी डेंगू का संक्रमण नहीं हुआ. इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि वैक्सीन लगवाने से पहले डेंगू एंटीबॉडी या संक्रमण की जांच कराने की जरूरत नहीं पड़ती.

43 देशों में मिल चुकी है मंजूरी

टाकेडा के अनुसार, 2022 में पहली बार लॉन्च होने के बाद इस वैक्सीन को दुनिया के 43 देशों में नियामकीय मंजूरी मिल चुकी है. अब तक इसकी 3.2 करोड़ से अधिक डोज वितरित की जा चुकी हैं. कंपनी का दावा है कि दीर्घकालिक अध्ययनों में इस वैक्सीन ने डेंगू संक्रमण और डेंगू के कारण अस्पताल में भर्ती होने के जोखिम को कम करने में प्रभावी सुरक्षा दिखाई है.